

Handwritten musical notation and symbols at the top of the page, including a staff with notes and various characters.

आम सार	
616	

ASMA ARCHIVES

उत्पत्त्यायाध्याश्री न रा उ पात्रिहि म स ३॥

उ ना जा मो मा स रा व ना उ अनाता न द ता ता प्रा ह क क द्रु म
ला ल क ल क र क द र ग ती र व ता ॥ १॥ मा मा ॥ ३॥ य य ॥
उं क र म मृ क पि थि मा ता व मी मा ता ना म वृ क र म म मृ क
अ न वा वा ॥ ४॥ सर्व क ल नि वा र नी म ४

उ क व या म सा ह वा म
व सि म सा ड क नि क
ध रा म मृ य प रि नि क न
र वु ध सा म न ल क क द
उ र व सा थ ॥ ३॥ अ वि क
म या अ न या य ॥

व द यानि सा व नि ता दा
क नि व ध रा च प्र ति व
ति वि नि स क व द सा म न
स क न र स्वा दा ॥ अ ल व
म या अ न या य ॥ ४॥ व

दैनः थया सी सां कि तीर्थ स स्नान या त अनैः तीर्थ स क त संपु
जायायः ज ह या य त त ती १० प त का स त त या बः वा मन या तः
दोन वि यः क त दे व ता पू जा या यः पं चा मृत द य क ना ता य न पु
जाः सि वे पू जाः ॐ ना से व दा नि श्रे पू जाः थ ध्या न सां कि रु यू ॥ ॥
स्वर्ज आप न या दा व त त पू जा या ष व ल स्व गार्ज वा त वृ त सां

थ ता त न स न सां सा स च म सि य य ना ना क रु द श्व रु यू स त
अ त्वा यः द न या व य द यूः थ या सा कि रु गार्ज पू पू जां जा या य०
रु ग व ती वा हा न द य क पू जा या य पा० या स कः ता च पा म त याः
वः स्व र्ज दा न वि यः द किं कि ना वी यः थ ध्या न सां कि रु यू ॥ ॥

॥ ति क थ रु म नः ती ता त रु ल सां मी पू स्व वै ता ता
य हा प

यायकृतं सा दानं त्रि १११००० शकुंतल विद्यविं वनी वीयः न
अंगुद दान विद्यः पतन गन कंक सि उ वा ता गव इ द य क्य
तथा पथ दान अदान दानु थया दः मंदल स तथा अविं प ती
स्मः नु व मु दान विद्यः पंच ग द्य भवन संश्वनः भूप यायः रव
ऊन पाल वा द यायः श स दी ग संक न स या द तं र्वन सायः

सूयने ग्वद इर नै उत तामः कुरु ग्व विमृष्टाया वः व न ह वा
त क सुयः धत धून का अः रु वा ह्रीं नै वा हा न द य र्क पूजा या
यः कृ ना स पूजा पं चा मृत द य र्क गी व पूजा र्क ल व पूजा थ थ
न सा कि रु य ॥ ॥ भा रा ता ना ना रु स्व वा द व व वि रु प या द भा रा
ता व न सा रु या ना य क म या क दी मृ मृ रु रु यः द न या व य ना ना उ प

धतः थ या सी ताः ती र्थ स ग्ग न या त डानः ग्री थ स क न सं स पूजाः
या य ऊ य या य न न ती १० प त का स रु त या अ वा नः वा म न या त
या न वी यः कृ त द रु ता पूजा या यः पं चा मृत ध य र्क ना ता य न प
जा सी रु पूजा कृ ना कृ स रु रा नि पूजा थ थ न सी की रु यी

पूकः पदमी

ॐ तत् सत् निमलसुखसौ रुद्रस्वाहा ॥ मीनया जलयाय ॥

॥ २ ॥ ॐ ह्रीं ह्रीं ह्रीं मकीश्वर्यम् ॥ १ ॥ ॐ ह्रीं ॥ अत्र १० अक्षरं तीर्थायानामकाय मीना
गजधर्मं कृयायताः यथाशक्ता धर्मसुता ॥ ३ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
तवीकनः सिस्वामीर्मर्कः रुद्रस्वाहा ॥ भवन्तीत्युक्तं यामिदं धर्मजपः
॥ ३ ॥ तन्मन्त्रं कजगलं उक्त्वा साः मलवता उधर्तुं कृताय चिद्रुया
रुद्रपूलीसथन रुद्रपुत्रन सीमः कारवाया उत यथमयताल वा कलवः ॥

श्री १

॥ सीदाम् रुद्रावासां रुद्रस्वाहा ॥ अत्र १० अक्षरं वदनि मीरपासपूयः रू
तता उयाः सासवीलीगमः वपस्वाच ॥ ६०३ ॥ ॐ ह्रीं लक्ष्मणस्वाहा
अल १० धर्मतलनलरप जपलपा उतानकः भवनम् वीचाल यादामय
नायुतामर्कः ॥ ७०० ॥ ॐ ह्रीं ह्रीं ह्रीं स्वाहा अत्र १० धर्मं न प्रागीयानाम
कायः धलवमर्कं या नाज कारवायकः कात सातपुलया सीदरवमर्कः ॥ १० ॥
ॐ ऊं रुद्रमनिय स्वाहा यथा उवाच पृथु